'भिवानी गौरव सम्मान'-२०१०

www.ebhiwani.com

धर्मचन्द अग्रवाल
(दिनोद-कोलकाता)

चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान
(लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास)

श्री धर्मचन्द अग्रवाल जी की गिनती भिवानी के उन व्यवसायियों में की जाती है जिन्होंने बिजनेस के आधुनिक तौर-तरीके अपनाते हुए सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मूलत: भिवानी के दिनोद क्षेत्र के श्री धर्मचंद जी ने कामर्स से पढ़ाई पूरी करने के बाद व्यवसाय की दुनिया में कदम रखा। आपने उस समय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हाई टेक सिस्टम कंपनी एंड सर्विसेज लि. की स्थापना की। यह कंपनी मुख्य रूप से इन्स्ट्रूमेन्टेशन एवं उपकरणों के क्षेत्र में सक्रिय है। इसकी शाखाएं- भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई, नई दिल्ली, बड़ोदरा, चंडीगढ़ तथा रायपुर में स्थापित हैं।

धर्मचन्द जी ने व्यवसाय के साथ-साथ अपने सामाजिक दायित्वों को भी भरपूर समय एवं महत्व दिया है। अपनी जन्म भूमि दिनोद के चहुंमुखी विकास में आपकी विशेष रूचि है। समाज सेवा से जुड़े विभिन्न प्रकल्पों को व्यवस्थित रूप से संपादित करने के लिए आपने दिनोदिया वेलफेयर ट्रस्ट एवं दिनोदिया ध र्मचन्द फाउंडेशन की स्थापना की है। धर्मचंद जी के नेतृत्व में ये संस्थाएं सिलाई केंद्र, पुस्तकालय, सड़क निर्माण जैसे जनसेवा के अनेक कार्यों में लगी हैं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको 'चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान' से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

रजनीश नरूला
(भिवानी-जयपुर)

बाबू बनारसीदास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान
(पत्रकारिता)

रजनीश नरूला उन गिने-चुने लोगों में से हैं, जो पत्रकारिता को एक मिशन मान कर चलते और काम करते हैं। इलेक्ट्रानिक मीडिया को अपनी कर्मभूमि बना चुके रजनीश जी ने अपनी प्रतिभा से मीडिया क्षेत्र के दिग्गज लोगों को प्रभावित किया है। अपनी विशिष्ट रचनात्मक क्षमताओं के कारण नरूला जी ने जहां भी कार्य किया वहां मानवीय मूल्यों की रक्षा करते हुए बेहतर व्यावसायिक परिणाम दिए हैं।

पंजाबी नेटवर्क से कैरियर की शुरुआत करने के बाद आपने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1998 से 2003 तक आप प्रोड्यूसर के रूप मे कार्यरत रहे। सन् 2003 में अगस्त से आपको एमएच 1 के कार्यकारी निर्माता का दायित्व दिया गया। इसके बाद मार्च 2005 में आपको कंपनी का प्रोग्रामिंग हेड बनाया गया। सफलता की सीढ़ियां चढ़ते हुए नवंबर 2006 में आप कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट चुन लिए गए। करियर में लगातार ऊपर की ओर जाता यह ग्राफ साबित करता है कि रजनीश नरूला को अभी और आगे जाना है।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको 'बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान' से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

हरिकृष्ण चौधरी
(बहल-कोलकाता)

श्री रामकृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान
(शिक्षा)

भिवानी के समाजसेवी व्यवसायियों की परंपरा में श्री हरिकृष्ण चौध री एक खूबसूरत नगीने की तरह हैं। उनकी व्यक्तिगत उपलबब्धियां जितना हमें आकर्षित करती हैं, उससे कहीं बढ़कर उनके सामाजिक सरोकार हमारा मन मोह लेते हैं। सन् 1974 में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद आपने विक्रम फोर्जिंग एंड एलाइड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की नींव रखी। व्यावसायिक जगत में हरिकृष्ण जी की क्या साख है, इसे आप इस बात से अच्छी तरह समझ सकते हैं कि 1974 से लेकर अब तक लगातार उनकी कंपनी को इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल आफ इंडिया की ओर से निर्यात के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उत्कृष्टता प्रमाण पत्र दिया जा रहा है। विक्रम समूह ने अपने काम का विस्तार करते हुए कोलकाता के नजदीक एक विशेष आर्थिक क्षेत्र की भी स्थापना की है जहां सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम किया जाएगा।

चौधरी जी एक परोपकारी व स्पष्ट दृष्टिकोण वाले व्यक्ति हैं। अपने संसाध नों का उपयोग करते हुए आपने गांवों तथा अर्धशहरी क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से काम किया है। आपके संरक्षण में इस समय दो स्कूल और एक इंजीनियरिंग कालेज चल रहे हैं। शीघ्र ही एक डिग्री कालेज खोलने की योजना है, जिसपर तेजी से काम चल रहा है। विख्यात हेरिटेज संस्थानों के संचालन में भी चौधरी जी की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने में भी आपका योगदान प्रशंशनीय है।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको 'श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान' से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

माधव कौशिक
(भिवानी चंडीगढ़)

पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान
(साहित्य)

हरियाणा के प्रतिभाशाली साहित्यकारों की सूची में श्री माधव कौशिक का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। बचपन से ही आपकी रुचि गद्य तथा पद्य दोनों में थी। इस रुचि का प्रभाव औपचारिक शिक्षा पर पड़ा। आपने हिंदी

विषय से मास्टर डिग्री प्राप्त की तथा साथ ही बी.एड. की पढ़ाई भी पूरी की। अपने करियर की शुरूआत माधव जी ने सन् 1975 में अध्यापक के रुप में की। वर्तमान समय में आप पर चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के सचिव का दायित्व है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय साहित्य अकादमी को भी आप एक सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

साहित्य की विभिन्न विधाओं पर आपकी अब तक 31 पुस्तकें आ चुकी हैं, जिनमें प्रमुख हैं- आइनों के शहर में, सूरज के उगने तक, अंगारों पर नंगे पांव। बाल साहित्य पर भी आपने उत्कृष्ट साहित्य की रचना की है। आपके साहित्यिक अवदान को देखते हुए 1996 में हंस कविता सम्मान, वर्ष 2000 में मिलेनियम अवार्ड तथा वर्ष 2010 में महाकवि सूरदास सम्मान से आपको सम्मानित किया जा चुका है।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको 'पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान' से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

पंडित श्रीकृष्ण शर्मा
(भिवानी-नोएडा)

पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान
(संगीत)

भिवानी जिला एक खूबसूरत बगिया की तरह है, जहां हर किस्म की प्रतिभाएं पल्लवित और पुष्पित होती हैं। आज संगीत के क्षेत्र में पंडित श्री कृष्ण जी का नाम बड़े आदर से लिया जाता है। आपका संबंध संगीत के एक अति विशिष्ट परिवार से है। आपकी संगीत शिक्षा विख्यात विचित्र वीणा वादक एवं गायक पंडित गोपाल कृष्ण से गुरु शिष्य परम्परा के अंतर्गत हुई।

पंडित श्री कृष्ण ने अपने संगीत से देश के संगीत प्रेमियों को प्रभावित किया है। आपके अनेकों सफल कार्यक्रम दिल्ली, कोलकाता, जयपुर, भोपाल, पुणे, आगरा और ग्वालियर जैसे कई शहरों में हो चुके हैं। पिछले तीस वर्षों से आप आकाशवाणी एवं दूरदर्शन पर अपने कार्यक्रम दे रहे हैं। भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी आपके संगीत की धूम रही है। अमेरिका, मारीशस, रीयूनियन आइलैंड में आपकी शानदार प्रस्तुति को वहां के संगीत प्रेमी आज भी याद करते हैं।

कल्पनाशील आलाप, जोड झाला, गटकरि और लायाकरि में आपकी निपुणता है। आप अपनी मेहनत के बलबूते पर पश्चिमी संगीत की कई तकनीकों का भारतीय शास्त्रीय संगीत में बखूबी प्रयोग कर चुके हैं। आपकी महारथ जितनी विचित्र वीणा पर है, उतनी ही गिटार पर भी है।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको 'पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान' से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

विष्णु भगवान
(देवसर)

श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान
(खेल)

भारतीय समाज में गुरु को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है। विष्णु भगवान जैसे गुरु इस कहावत को आज भी चरितार्थ कर रहे हैं। आप जैसे गुरुओं के कारण ही हरियाणा के बाक्सिंग खिलाड़ियों को पूरे देश में प्रसिद्धि मिली है। आपमें एक अच्छे बाक्सर के सारे गुण थे, लेकिन आपकी प्राथमिकता खुद बाक्सर बनने की बजाए अधिक से अधिक बाक्सर बनाने में थी। इसलिए सन् 1995 में आपने एनआरएस से बोक्सिंग कोचिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया और खिलाड़ियों को बाक्सिंग की ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया।

विष्णु भगवान जी जून 2003 में रोमानिया में हुए बाक्सिंग वर्ल्ड कप में कोच के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इन्हीं के एक छात्र परमजीत को हाल ही के राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड मिला है। परमजीत को इसके पहले भी कई मेडल मिल चुके हैं। इन सफलताओं के पीछे परमजीत अपने गुरु की मेहनत तथा मार्गदर्शन को ही प्रमुख बताते हैं। एक अन्य खिलाड़ी विकास यादव भी विष्णु जी के दिशा-निर्देशन में विश्व युवा बाक्सिंग 2010 मे गोल्ड मेडल जीत चुका है। जिस लगन से विष्णु जी अपने शिष्यों को बक्सिंग सिखाते हैं, उसे देखते हुए यह निश्चित है कि आने वाले दिनों में उनके शिष्य कामयाबी के नित नए कीर्तिमान स्थापित करते जाएंगे।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको 'श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान' से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

सोमवीर सांगवान
(चरखी दादरी)

श्री फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान
(सेवा)

सेवा के क्षेत्र में चरखी दादरी के जज्बे पूरी दुनिया ने देखा और महसूस किया है। इसी धरती पर जन्मे श्री सोमवीर सांगवान ने सेवा के क्षेत्र में एक नई मिशाल कायम की है। आप दादरी के पास बसे चरखी गांव के रहने वाले हैं। दादरी शहर में काफी समय से पानी तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी थी। लोगों की दशा देखकर तथा सरकारी नीतियों से परेशान होकर सांगवान जी ने दादरी शहर में पानी के टैंकरों की व्यवस्था करवाई और स्वास्थ्य सेवाओं को सब तक पहुंचाने के लिए अपने बलबूते पर पहल की। हरियाणा राज्य की कई गौशालाओं को भी सांगवान जी द्वारा आर्थिक सहायता दी जा रही है। हाल ही में संपन्न हुए राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को आप एक-एक लाख रुपए नगद ईनाम देने की घोषणा कर चुके हैं।

अपनी आर्थिक हैसियत का इस्तेमाल करके कैसे समाज की सेवा की जाती है, सोमवीर सांगवान इसके बड़े प्रामाणिक उदाहरण हैं। समाज के संपन्न लोगों के सामने उन्होंने एक मिशाल पेश की है।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको 'श्री फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान' से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

:: संपर्क ::

बी-10, गुप्ता काम्पलेक्स, 1-ओल्ड रोहतक रोड़
इन्द्रलोक, दिल्ली-35
फोन: 011-47014273, admin@ebhiwani.com
www.ebhiwani.com